

पुष्पं नृयातीतनिबुर्ययिहगगमहितीगहिमीदंययाली ॥ रुद्रुव्यादिजनादिविब्रविहमा
 मानादुनाशधवी कन्यासाकूमदीयसादिवसितीदलेधुनंदंतसः ॥ सीमन्तं वसं नसादुस
 वनालम्बो वनान्नीयना हृद्यर्नवलिकर्मणरुगवतीसीतय्यधूजविष्मो ॥ यूर्ध्वः दाम्निगयदि
 सातनोपेवासर्वाननावास्थकान् केणंनवदूदुर्नस्तगहनारुनवनाधदय ॥ म्मगातादि
 ध्वजमादिदवविहगः ॥ कादिदूःखायका नित्यातयसयानिमासिसुखदावल्यादियुजाविष्मो ॥
 म्मगातनद्यनद्यानगशीववासा वतालखरुखटिकाजनसिद्धिदायी ॥ श्रीगुह्यकालि
 नमध्वनिरामिधूया नित्येतिमासिकमलागतयुक्काली ॥ १॥ ॥ इति नित्यालीवागुक्कालीगुणिसमाय ॥

॥ यथायककामरुमिका वसुधाताधगुणितादवा ॥ यगुयागतदगकगीहृद्यनिगसहिता ॥
 ॥ वलि विसर्जनी ॥ सर्वथागान्यविषय सर्वगुह्यकनीतथा ॥ सर्वतलान्यनित्यश्च कालिका
 गलुमाचक्र ॥ कालिकायनमाविद्या दृष्टवदाविदनागिनी ॥ जय्यारावनमागुन सर्ववर्तय
 यद्धति ॥ ॥ इति विमल बाधविनयितागी कालिकामस्तमाय ॥

१० तमः यममगिवगाकिपीपीताधगुणयवार्नयय्यकामरुगुनूयादीवृजीयावस्यनमि ॥ ॥
 ११ तमः यनदीयरुदानकायपीयादुवा ॥ ॥ रुद्रुवकं वलि दूरुद्र ॥ रुद्रुदीदुद्रु म्मात्मा
 सतायतनः पीयादुवा ॥ ततम्मात्मा नाद्वेतेतयन ॥ ॥ ॥ म्मगातनरुदायध्यान

या गक्रमनय ॥ या गविष्ठातमातेन साधकः सिद्धराश्वर्यं ॥ १ ॥ नीलात्यलदल ग्या मा नीलव
 त्रविनिमला ॥ श्रान्तवग्नि कृपायाय श्रान्तिर्मधुलमध्यग ॥ दणवकुामेकाकालीसकावि
 गतिलायना ॥ मूर्ध्नाकनगताद्वेष रुजदलेर्त्तवानता ॥ दीर्घकीडवकीच चणुयो गम
 नीमूर्ध्व ॥ तदधः ४ सिंहवदन्तं ॥ धृतवर्णः सुरासूर्य ॥ तदधः ४ रुद्रवकीच कर्णुं लेलाकम
 र्ण ॥ कर्णुं लेलाकमूर्ध्ववामं नकावर्णुं मदीहृत् ॥ अक्षवकीचवर्द्धदं धूमवर्णुं श्यामकी
 गार्धवकीचवामं च ॥ यिंगवर्णुं सूचधूकी ॥ दक्षिणमकनासीच रुवितारस्यकीर्ति ॥
 गजात्यवामकशाकी ॥ गोत्रवर्णुं मदीहृत् ॥ रुयास्यदक्षिणकाल्या ४ ग्यामवर्णुं

[illegible]

साकारं तर्जनीकण्ठदुर्गं ॥ नत्तयुक्तं कलर्गं लिङ्गं दुष्टनागर्गं यैवयुयतीवागी यमदीय
मतीगमः ॥ कृतयेयाविजातिच कुविकातामर्वीतथा ॥ दूयमातीठिपुमिव दूधसन्निवद्वनी ॥
कमकुलीश्वरैवे ययुय सिस्त्यावदो ॥ नैद्यावर्तः कुकुलीच मीसिखरुसु ॥ तर्गं ॥ वीजदुग्धरुते
पूवीः दिस्ताद दवाकालि ॥ द्याद्यवर्तयवीधाना कालचर्मतिनीयका ॥ किंकिणीजलः ॥ द्या
वानधीमनितादिता ॥ दूयमानावद्यावागी द्यर्धनववरीयग ॥ काठकांगदकायुव महाहिस्ताग
सता ॥ मूढमालागलादद्या आयादानावर्तविनी ॥ नकायधमयीमाला गुडकायालिवासुथ ॥
काशी कदानकायता कदीदद्याविनाजिता ॥ वक्रसुखादलह ॥ योगयदाकवीयका ॥

सीम्यायस्वलोयुक्त नागवाजा यलकृता ॥ नत्तकुकुलकर्गुणी यैवकालानल स्मिता ॥
गिवागर्गित दूध ॥ तीर्त्तनादा द्द्वितीकिती ॥ मालार्ध नत्तमीसिच कृष्णवर्तुः चंद्रचुर्ज ॥
यैववृत्तिरित एध ॥ रौनवाहनगदिती ॥ कार्तिकयाल रुसी च उमनूखद्वगिधकिर्ण ॥
एवर्त्तनवयी ॥ च दद्यान्नासतमूयत ॥ यैवयाचितदध वक्राया ॥ यैवहतज ॥ वक्रावि
पूषभूदुष्ट ॥ शीघ्रनयसदागिव ॥ यीगधमवकाधुस ॥ गताशा ॥ यैवकावग ॥ दूधवक्रग
किंशुल स्वदाद्रायधधानका ॥ तर्जनीमुखनिदिफा गिवाधरुं हिलोचना ॥ यिगनका
लिगुम्यादि रुं कानववरीयग ॥ वक्रदीक्षा तखर्यर्ग यमयुधगिवाकम ॥ राचियस्या

यमे ।
दिनस्य दिग्बलं सर्वविक्रमं ॥ ४० ॥ दयागारवर्जितं वदन्ति कीर्तनं किं ॥ ४१ ॥
दुःखं धर्ममेव सख्यं वदन्ति ॥ वनं धाम गुरुस्य वायुं धाम विदुः ॥ ४२ ॥
कुर्वन्ति कृतयुगं ह्ययं ॥ ४३ ॥ कृतयुगं ह्ययं ॥ ४४ ॥
युगं कृतयुगं ह्ययं ॥ ४५ ॥ कृतयुगं ह्ययं ॥ ४६ ॥
युगं कृतयुगं ह्ययं ॥ ४७ ॥ कृतयुगं ह्ययं ॥ ४८ ॥
युगं कृतयुगं ह्ययं ॥ ४९ ॥ कृतयुगं ह्ययं ॥ ५० ॥
युगं कृतयुगं ह्ययं ॥ ५१ ॥ कृतयुगं ह्ययं ॥ ५२ ॥
युगं कृतयुगं ह्ययं ॥ ५३ ॥ कृतयुगं ह्ययं ॥ ५४ ॥
युगं कृतयुगं ह्ययं ॥ ५५ ॥ कृतयुगं ह्ययं ॥ ५६ ॥
युगं कृतयुगं ह्ययं ॥ ५७ ॥ कृतयुगं ह्ययं ॥ ५८ ॥
युगं कृतयुगं ह्ययं ॥ ५९ ॥ कृतयुगं ह्ययं ॥ ६० ॥

वित्तयः ॥ युवालीरज्याधीनं सर्वलक्षणं जयं वी ॥ १ ॥
वना ॥ यवकमसमं सुखं युवालीधनं सुखं ॥ २ ॥
गलासी नमः ॥ कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ ३ ॥
द्वकनालीगिनसहा ॥ ४ ॥ कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ ५ ॥
वट ॥ ६ ॥ कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ ७ ॥
द्वि ॥ ८ ॥ कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ ९ ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ १० ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ ११ ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ १२ ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ १३ ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ १४ ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ १५ ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ १६ ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ १७ ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ १८ ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ १९ ॥
कुरुयात्तु नियममर्तुं मन्त्रं ॥ २० ॥

[illegible][illegible]

यतमः॥ ॐ वक्रयता गतायतमः॥ ॐ विष्णुयता गतायतमः॥ ॐ रुद्रयता गतायतमः॥ ॐ
ॐ नृपयता गतायतमः॥ ॐ सदागिवयता गतायतमः॥ ॐ हरेवयता गतायतमः॥ ॐ
ॐ उमहागिवासनाय ॥ ॐ सीधय ॥ ॐ जीहृदं सहायागितीसीध कूलगुणनय
तमः॥ ॐ जीहृदं काधमहातेनववदकनाथय ॥ ॐ जीहृदं सीधय ॥ ॐ जीहृदं उम
कालिकारुद्रं नमः॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ जीहृदं नमः॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥
ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥
ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥
ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥ ॐ तिदयमावाक ॥

ॐ जीहृदं दानवतीय ॥ ॐ जीहृदं मारुतवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं वामदेवतीय ॥
ॐ जीहृदं चण्डिकावतीयतमः॥ ॐ सीधय ॥ ॐ गानावत्या (प्रमार्त्त) ॥ पूर्ववाक्यको ॥ ॐ जीहृदं
ॐ वृषवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं रुद्रवतीय ॥ ॐ जीहृदं भवनवतीय ॥ ॐ जीहृदं
ॐ मृगवतीय ॥ ॐ जीहृदं मृगावतीय ॥ ॐ जीहृदं महालक्ष्मीवतीय ॥ ॐ
ॐ जीहृदं मृतसेवतीय ॥ ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥ ॐ सीधय ॥ ॐ वायव्या
दानवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥
ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥
ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥ ॐ जीहृदं प्रसीदवतीयतमः॥

[illegible]

नरैववायम् सा हकया गिनी सदिताय नमः ॥ ॐ सैधय्य ॥ ॐ गमदा प्रयार्त्तयुवयको ॥ ॐ जौई
 कुं ॥ ॐ खवनखवनी गकि सदिताय ॥ ॐ जौई कुं ॥ ॐ खवनखवनी वरु ॥ ॐ यष्टि खवनी सदिताय
 य ॥ ॐ जौई कुं ॥ ॐ दिप्रवदि प्रवीदगदिद्वनी सदिताय ॥ ॐ जौई कुं ॥ ॐ गवव गवनीय
 वविगति गवनी सदिताय ॥ ॐ जौई कुं ॥ ॐ ध्यामवनध्यामवनी यवय वागध्यामवननी सदिताय
 य ॥ ॐ जौई कुं ॥ ॐ मलवनमलवननी गकि सकय वागमलवननी सदिताय ॥ ॐ जौई कुं ॥ ॐ
 वलवनमलवननी गकि सदिताय ॥ ॐ जौई कुं ॥ ॐ सर्ववनसर्ववननी वरु ॥ ॐ यष्टि सर्व
 गि सदिताय नमः ॥ ॐ सैधय्य ॥ ॐ सा प्रयार्त्तयुवयको ॥ ॐ जौई कुं ॥

[illegible]

वदुया। गगुवि॥ १॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुया। गगुविकालि २ ह्रीं ह्रीं ॥ ११ ॥ ॥ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुव
गुमन्त्रवदुया। गगुविकालि २ ह्रीं ह्रीं ॥ ११ ॥ ॥ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुव
सिद्धि साधन सिद्धि विधि पदना गय २ सर्वदा ध्यान लिमती मय यक्ष सर्व सर्व गगुविकालि २
ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ १० ॥ सर्व विधि गगुविकालि २ ह्रीं ह्रीं ॥ १० ॥ ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ १० ॥ ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ १० ॥
मन्त्रवदुया। १॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुया। गगुविकालि २ ह्रीं ह्रीं ॥ ११ ॥ ॥ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुव
मन्त्रवदुया। १॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुया। गगुविकालि २ ह्रीं ह्रीं ॥ ११ ॥ ॥ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुव
॥ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुया। १॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुया। गगुविकालि २ ह्रीं ह्रीं ॥ ११ ॥ ॥ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुव
याद ॥ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुया। १॥ ॐ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुया। गगुविकालि २ ह्रीं ह्रीं ॥ ११ ॥ ॥ ह्रीं ह्रीं मन्त्रवदुव

[illegible]

मंगलाष्टायाद ॥ **ऊँ श्री** मीननाथयाद ॥ **ऊँ श्री** मातताथकाक्षनायाद ॥ **ऊँ श्री** रुद्रनाथयाद ॥ **ऊँ श्री** म
हानुनाथयाद ॥ **ऊँ श्री** बल्ललनाथयाद ॥ **ऊँ श्री** मूलीनाथयाद ॥ **ऊँ श्री** गजाननाथयाद ॥
॥ **ऊँ श्री** महाभवेताथयाद ॥ **ऊँ श्री** मूमननाथयाद ॥ **ऊँ श्री** ववदवताथयाद ॥ **ऊँ श्री** गगनेश्वनाथ
याद ॥ **ऊँ श्री** मूलिनाथयाद ॥ **ऊँ श्री** विष्णुनाथयाद ॥ **ऊँ श्री** कताथयाद ॥ **ऊँ श्री** महावशु
थागेश्वरि ॥ २ ॥ **ऊँ श्री** महाकालिकाकालि ॥ १०॥ **ऊँ श्री** महादेवविश्व
यायनकाविजिह्वितिके धर्मदुपुलकानि सुवर्धविभाजनियमसिद्धिदुष्टदुष्टदुष्टदुष्टमनात्म
निगिवगानसधुविद्यानविद्युधुवभूयविमि तातामिधानमहावलयराजमयवधामया
दिलिभूवगानवयुर्वै **ऊँ श्री** स्वाहा ॥ १०० ॥ ॥ **ऊँ श्री** महाकालिकाकालिकाकालिका

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्री गणेशाय नमः ॥ २ ॥
 ॐ ह्रीं क्लीं ऐं सूँ ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

सततं सर्वसर्वं जडि कुरु २ वन २ डी २ सु २ सु २ वन मय वर्यः दद सर्वतु यदा न आद गय २ आ दाय य
 ग्रियं वा मी दद न विद्यु कुरु २ न (माम हा य दा वा जा वा मी डी ३ सु ३ म हा धन दद म म सर्व धन य वं द ३ सि
 द्वि (मि नी द न म ४ ० ० ० ४ चारु ॥ ॥ ॐ तिलो ग वि श्र या नि य म स द सा क यो यि से दू ३ ॥ ॐ सै धू य ॥
 ॥ ॥ अम वा य ॥ न द्या व र्त दय ॐ (ग न द्या व र्त नृ त्र्य ॥ सो म्य सृ स्ति व २ म हा मृ त्यु ४ ॥ याम्य सृ स्ति व ॥
 ॥ य म द द य द्वि म सृ स्ति व ॥ ५ ॥ दय द ७ ४ दृ द्य सृ स्ति व ॥ न दी मृ सि व न्दा व र्त ॥ म हा का ल य द न द्या व र्त ॥
 ॥ ॐ ति दा व याला त सै दू ३ ॥ ॥ सै धू य ॥ ॥ ॐ डी द स ४ गी म हा दान सृ स्व मूर्ति कालि २ श्री वा या द द्दी २ न
 म ३ ॥ १ ॥ ॐ डी द स ४ गी म हा दान गी मूर्ति कालि २ श्री वा या द द्दी २ नम ४ ॥ २ ॥ ॐ डी द स ४ गी
 म हा दान मूर्ति सृ य कालि २ श्री वा या द द्दी २ नम ४ ॥ ३ ॥ ॐ डी द स ४ गी म हा दान गी मूर्ति कालि २

[illegible]

॥ १ ॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महासक्त विद्याधर काली श्रीवायादह्नीं नमः ॥ २४ ॥ ॐ त्रिपुरं गतिद
लं उक्तवाचा सावर्कने ॥ ॥ १ ॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महासक्ता या सा नूता काली श्रीवायादह्नीं नमः ॥
॥ १ ॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं रुद्र महा मलाय साध्वी काली श्रीवायादह्नीं नमः ॥ २ ॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं रुद्र
नरामलाय उक्ता मुखी काली श्रीवायादह्नीं नमः ॥ ३ ॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं रुद्र महा मलाय
लाय मुखी काली श्रीवायादह्नीं नमः ॥ ४ ॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं रुद्र महा मलाय सीम मुखी काली श्री
वायादह्नीं नमः ॥ ५ ॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं रुद्र महा मलाय नाक मुखी काली श्रीवायादह्नीं नमः ॥
॥ ६ ॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं रुद्र महा मलाय पद्म मुखी काली श्रीवायादह्नीं नमः ॥ ७ ॥ ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं रुद्र

[illegible]

विद्वत्कर्मावधिरगा
 गतमधस्तुतिवाक्कथा ॥
 प्रथाकृतिः ॥
 पुं०० कथापोगममन्त्राज्ञा ॥ ३ ॥
 पुं०० कथापोगममन्त्राज्ञा
 यमन्त्राज्ञा ॥ वृत्तमध ॥ क
 थापानिसेद्विद्वत् ॥ अस्त
 नयनिसेद्वत् ॥ बहि ००
 म्भयय ॥

द्वययनसिंवन ॥ गमय
 ग्रायजय ॥ पुं०० वेद्वान
 नायवि मरुजागवदायध
 महिगता ॥ अग्निसेवायदाग
 गथापनीतकीज्ञाय ॥ उद्दय
 वेद्वत् ॥ द्वाग ॥ अग्निसेवाय
 काववनावद्वत् ॥ धनमन्त्र
 याग्मन्त्राज्ञाय ॥ अग्निसेवा
 ज्ञाय ॥ नवाकाववनावद्वत्
 लावापुं०० अग्निसेवा ॥ ०००
 यनमन्त्रन ॥ अग्निसेवा
 वृत्ति ॥ पुं०० अग्निसेवा
 अग्निसेवा ॥ अग्निसेवा ॥

म ॥ पुं०० पुं०० नम ०० स
 धर्मिद्वयानिनीय ००
 याद्वय ॥ म ॥ म ॥ म ॥
 पुं०० सर्वसिद्धमा ०० म ॥
 याद्वय ॥ याद्वय ॥ याद्वय
 को ॥ पुं०० नम ॥ नि ॥ या
 दिगानेद्वय ॥ नि ॥ या ॥
 याद्वय ॥ म ॥ म ॥ म ॥
 पुं०० म ॥ ल ॥ ल ॥ ल ॥
 वि ॥ या ॥ या ॥ या ॥
 पुं०० म ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ क ॥ न ॥ म ॥ म ॥
 ॥ ॥ पुं०० पुं०० पुं००
 मानीय ॥ पुं०० पुं००
 नि ॥ पुं०० पुं०० पुं०० ॥
 या ॥ या ॥ नि ॥ म ॥ म ॥
 म ॥ म ॥ म ॥ म ॥
 ने ॥ नि ॥ म ॥ म ॥
 या ॥ पुं०० पुं०० पुं००
 या ॥ अ ॥ म ॥ म ॥
 या ॥ अ ॥ म ॥ म ॥

[illegible]

कपाले च स्वसिधमेन
 वयला ॥ ४ ॥ स्वसिधिमिध
 नक्षत्रा आगनागिगधे
 व। स्वसिमासम उवसि
 ज्ञेनागिचवसु ॥ सम
 पापवगावसि, सदावा
 सनीहवा, स्वसिधमा
 गिधवा, यिनगमयवसु
 धमा ॥ ५ ॥ स्वसिधसुस
 गिनाय, गेजावायुयवाम
 की। लणवकलगावसि
 हगयामवतुविध ॥ १ ॥
 आगिनीवसिधमयो, कल
 जाववनीगध। स्वसिध
 दूगवसि, गमयेयीवा
 गधमा ॥ ६ ॥ स्वसिनाजाय
 सर्वा, सवागिमानव
 ज्ञावायवसिधमा, स्वसि
 सिधमयवसु ॥ ७ ॥ गि
 लाववयवसि, स्वसिध
 गमयवसु ॥ ८ ॥ यजमान
 सदावसि, लयनसव
 धवगा ॥ ९ ॥ स्वसिध
 नु ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ नमो नमो ॥
॥ ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥
दादुको ॥ १ ॥
नवाकन ॥ २ ॥
मिन ॥ ३ ॥

ॐ ह्रीं गार्ग्याय नमः ॥
मिन ॥ ४ ॥

वर्ध्याय नमः ॥ ५ ॥
ॐ ह्रीं गर्गाय नमः ॥ ६ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ७ ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ८ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ९ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ १० ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ११ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ १२ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ १३ ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ १४ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ १५ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ १६ ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ १७ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ १८ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ १९ ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ २० ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ २१ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ २२ ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ २३ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ २४ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ २५ ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ २६ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ २७ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ २८ ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ २९ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ३० ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ३१ ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ३२ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ३३ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ३४ ॥

ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ३५ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ३६ ॥
ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः ॥ ३७ ॥

शशि नवणीयान् कः ॥

पुं० रु० सर्वं मन्त्रिदवगा
यादकादुजयामि ॥

समिधदधीनवा कर्षणद्र
द्रयाग ॥ मूलेन कृदिस्मिन्वा
कन ॥ १ ॥

पुं० वक्र ॥ १००० दमासनयाद
कादुजयामि ॥

पुं० पु० गीगाय० दमासनमः ॥

पुं० मूलासनाययाद ॥

पुं० मूलेन मूलाधिकान्ति
वर्त ॥ कवचनयनयाद ॥

मूलेन क० ॥ १००० दमासनमः ॥

॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

जालनयन ॥ १००० दमासनमः ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० रु० दिकान्ति ॥ १००० दमासनमः ॥

गाग० पु० गीगाय० ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

पुं० श्रीमूलासनाययादका ॥

ॐ उरु अमग वायवाहा ॥
ॐ उरु विद्याग वायवाहा ॥
ॐ उरु निवग वायवाहा ॥
॥ अथ गिरिग स ॥ ७ ॥

गगानिदगद्विधा ॥
ॐ उरु दधनग र्धना वायवाहा ॥
ॐ उरु र्धनवनायवाहा ॥
ॐ उरु निवसि मरुनसिम नान
यनायवाहा ॥

ॐ उरु निरय यो जागक म्म
यवाहा ॥

ॐ उरु कवचनानि ४ कामना य
वाहा ॥

ॐ उरु रुलेस ले र्धु अमि व
दयनामग सिद्धो नि यी सि
द्धा मयवाहा ॥ अरुनन कर्ष ॥

ॐ उरु उर्ववकुं ग रु वया गन
यवाहा ॥ ॥ ॐ उरु यनायन
वकुं नानया गनायवाहा ॥

ॐ उरु दूर्ध्ववकुं न इ जा कन
ग यवाहा ॥
ॐ उरु दूर्ध्ववकुं न क मु र्धु

दनायवाहा ॥
ॐ उरु दानि गव कुं ग वदुक
नया यवाहा ॥
ॐ उरु उरु नवकुं ग वगभा
कयायवाहा ॥
ॐ उरु यद्विमवकुं ग विवा
रायवाहा ॥

ॐ उरु यनायनवकुं ग वरु
ध्यायवाहा ॥
मृनिध्यागिह्मि क र्धया ॥
नवाकन नयववकुं ग

मृनिध्याग ॥ ० ॥
ॐ उरु ग र्धना विवक म्म
य र्धनग ग र्धनवकुं
विद्योनि ४ सदा विवान
य र्धनवकुं ग र्धनवकुं
कडिका विगिदि धिध

गिरिनवा म्म स कन वनस
नासिद्धिना म्मो समग
ला जा नरुद्धा वृगनाक
गसुलविद्धिना म्म यो विद्धा
रुनिध्या ॥ ॥ अरुनन
गो विद्धिना म्मो न ॥
ॐ यानिदग र्धना विद्धि

समाधि॥

गंगाह्वलेन भूस्त्राजगत्समि
धस्थेन द्या॥

रेनवा॥ सिगिगिदिद्युयागम
दिभूद्वर्कशुक्लवर्षादिदिभू
द्वर्षागमनद्वर्षादिदिभूदिभू
दिभूदिभूदिभूदिभूदिभूदिभू
दिभूदिभूदिभूदिभूदिभूदिभू

गंगावक्त्रादिद्याटनी॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गद्यस्त्राहा॥ वृंतिवक्रसिध
नी॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥
नगद्यस्त्राहा॥ वृंतिवक्रसिध
नी॥ वक्रसिधनी॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

गुं सद्यजागद्यस्त्राहा॥

धर्म ॥ ५ ॥ पुं३ मंडवाट
 योवाला ॥ वायव्यदिशि ॥
 ॥ ३ ॥ पुं३ मूर्धन्यदाय
 वाला ॥ उत्तरदिशि ॥ १ ॥
 पुं३ कोमकिदायवाला ॥
 धर्मनाम ॥ ८ ॥
 पुं३ कोमसर्वसिद्धिदा
 यवाला ॥ मध्य ॥ ९ ॥ ॐ
 निवर्जिका ॥
 जिह्वासे धर्मनाम ॥ ६ ॥ ॐ
 पुं३ मूर्धन्यदायवाला नदी
 वाला ॥ गोविंदनवर्जिकासे
 धर्मनाम ॥ ७ ॥
 पुं३ नाड्यदायजननी मृ
 दूदागणिका निका ॥ वसीको
 वाटनीयस्या दधनमूकि
 ना निका ॥ सर्वसि
 द्धिदायकमृदायवाला ॥
 कंदनी ॥ ७ ॥
 पुं३ कोमसर्वसिद्धिदायवा
 ला ॥
 पुं३ कोमसर्वसिद्धिदायवा
 ला ॥ ० ॥

पुं३ मूर्धन्यदायवाला नदी
 वाला ॥ वायव्यदिशि ॥
 पुं३ मूर्धन्यदायवाला नदी
 वाला ॥ उत्तरदिशि ॥ १ ॥
 पुं३ कोमकिदायवाला ॥
 धर्मनाम ॥ ८ ॥
 पुं३ कोमसर्वसिद्धिदा
 यवाला ॥ मध्य ॥ ९ ॥ ॐ
 निवर्जिका ॥
 जिह्वासे धर्मनाम ॥ ६ ॥ ॐ
 पुं३ मूर्धन्यदायवाला नदी
 वाला ॥ गोविंदनवर्जिकासे
 धर्मनाम ॥ ७ ॥
 पुं३ नाड्यदायजननी मृ
 दूदागणिका निका ॥ वसीको
 वाटनीयस्या दधनमूकि
 ना निका ॥ सर्वसि
 द्धिदायकमृदायवाला ॥
 कंदनी ॥ ७ ॥
 पुं३ कोमसर्वसिद्धिदायवा
 ला ॥
 पुं३ कोमसर्वसिद्धिदायवा
 ला ॥ ० ॥

गग ४४ येव गद्याक्षी मीरुस्तु ॥

गगीतालीसन्धानी ॥

लीलीली सिद्धलक्ष्मीसांभ्रंभ्रं
धनगह्वानरुद्राणि वातात्मना
नेह ॥ ॥ लीमरानूदानेभ्यः
सनद्युजनी ॥

नानककविर्वाहृदायाध
काधनाकान ॥ सुद्वन्द्वदि
कर्मिणाणाद्यादिधनाकान
वृद्धादुजद्वीः ॥ धावासा
रुमुदलेदवीसुवसायाध
नयस्तुयकनककविवाह
कुरुमनदवीमर्द्धय ॥
गगीश्वरीसरुमुदलेकजि
गदीद्वीर्नद्वानासायुध
वादिनागगीश्वरीविनाय
॥ मनूय ॥ ०७ ॥

ॐ ॐ आसायनेयनाधविनि ॥
ॐ ॐ सिद्धलक्ष्मीजगन्मागिनि ॥
रुद्राभिमतुलसिगाम्भ्रिनि
॥ धरणीनि ॥
मृवाकनोदिधान्यार्नमूडा
नवदीपदग्नि ॥ गगाना
लिनीदलुकीय ॥ ०७ ॥

ॐ ॐ वासिमयिध ॥ ०७ ॥
ॐ ॐ धाधधनागगकि
धा नीय ॥ ०७ ॥ ॥ ०७ ॥ ०७ ॥

गगायाद्यार्वाचमनीयज्ञा
नादिकं नमनक्षोयवी
गवदनेसिद्धनयूयध
धादिनासिद्धजय ॥

गगाद्युगाद्रुनि ॥ ॥ धवस्त
स्वमस्तुन ॥ ० ॥

ॐ ॐ भूभूमिसिगिगशेनवाय
रुद्रिज्ञाणीगकिस्तुहिगाय
वा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
कोरुनवाय ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ग ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ ॐ ॐ ॐ भूवर्धनवर्धनी
० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नेयपालायमरुदनेनवाय
मरुदभमगाधियगयसाका
य ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
द्विनि ॥ १० ॥

ॐ ॐ भूधानभूमिधवनद्वि
व ॐ ॐ भूधानभूमिधवनद्वि
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

गद्यधामिनिग ॥ ॐ ॥ यमिनिघा
धमा ॥

उं ॥ ॐ ॥ सै ॥ ममिनिगजाक
राहादिवायेधाडाकानिदि
कसिदिमसु ॥

दृगाकानिकुममगि लाकानि ॥
देय वदक गणयति नृसि
गिमदि सुयागदि दृगुका
दि वृक्काधदि कालेस
कलित वृक्का सुयाग ला
कायल वृक्कागि नि षडु
किनि षडुगि उयवयुव
गला विगकि रुनु नृय
दधमा पद्विम उकन

उर्ध्वमूल सुवमर्जेनाक
मिदमा ॥ नि ॥ दानिद्वधु
कायय ॥ वाये ॥ ॐ ॥ गजा
याला कयालादिद्वेनसादि
गमागनारनकाधु नकोद्वग
विगमावदकागि निवना ॥ यग
नागादि यका ॥ दवाग्रासिद्व
ले कसिमनययि दगामसु वे
सुविलेक वेगमनिगुवे
मिवालेसकिग दगाम

वद्वधुकागनला ॥ १ ॥
यादवायनमंयन सु
कागि ॥ सर्वगयमद
नीनि ॥ ॐ ॥ नि लाकगद
धु ॥

गगायधकमं ॥ वानध ॥
दवखान सगि ग्रासिदि
लाक्षिदयलि यगय
गदि कं कर्मनालेखा
धनायाय ॥

१ ॥ यगि क कामनसायगि
कय द ॥ दाविधनसाय
दाविध कभाययायद
गगानिधयाय ॥

गिलाकानि कामनवीधाक
नि कामन मिसाकानि ॥ ० ॥

यलेसयालाखध ल्पि
उवा मी ॥ काय ॥ दव
धनादाय ॥ दूर्ध्वमसन ॥
उं ॥ ॐ ॥ योदका ॥ ददि
यात्रविने ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ द
का ॥ याविसे कानि ॥ ॐ ॥
ग्रायाइ का ॥ उकन ॥ गमि